संस्कृत

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय
आजमगढ़, उ0 प्र0

(प्री–पी0 एच0–डी0) कोर्स वर्क हेतु निर्धारित
पाठ्यक्रम
विषय– संस्कृत

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार सत्र 2022–23 से प्रभावी)

प्रो० वन्दना पाण्डेय
संयोजक
संस्कृत अध्यन परिषद
महाराजा सुहेलदेव राज्य वि०वि०
आजमगढ़

संस्कृत अध्ययन परिषद्
महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ

क्र. सं0	अध्ययन परिषद के सदस्यों के नाम	पदनाम	स्थिति	विभाग	कालेज / विश्वविद्यालय
1.	प्रो0 वन्दना पाण्डेय	प्रोफ़ेसर	संयोजक एवं सदस्य (पी.जी)	संस्कृत	सर्वोदय पी0 जी0 कालेज घोसी मऊ
2.	डॉ0 मनोज द्विवेदी	असि. प्रोफ़ेसर	सदस्य (यू.जी.)	संस्कृत	श्री शिवा डिग्री कालेज कप्तानगंज, तेरहीं, आजमगढ़
3.	डॉ0 रामप्रताप मिश्र	असि. प्रोफ़ेसर	सदस्य (यू.जी.)	संस्कृत	डी0 सी0 एस0 के0 पी0 जी0 कालेज, मऊ
4.	डॉ0 अनुराग मिश्र	असि. प्रोफ़ेसर	सदस्य (पी.जी)	संस्कृत	गाँधी शताब्दी पी0 जी0 कालेज, कोयलसा, आजमगढ़
5.	डॉ0 वन्दना द्विवेदी	एसो. प्रोफ़ेसर	वाह्य विशेषज्ञ	संस्कृत	नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेन्द्रनगर, लखनऊ
6.	डॉ0 शरदिन्दु तिवारी	एसो. प्रोफ़ेसर	वाह्य विशेषज्ञ	संस्कृत	काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

कुलसचिव कार्यालय द्वारा जारी पत्र के पत्रांक संख्या– 667 / पी0 ए0 / 2022 एवं माननीय कुलपति महोदय के आदेश दिनांक 01 / 11 / 2022 द्वारा नामित **एम0 ए0 संस्कृत अध्ययन परिषद्** के संयोजक सहित बाह्य विषय–विशेषज्ञों एवं सदस्यों द्वारा कारित एवं पारित–

सदस्यों के हस्ताक्षर

N. Pandey V. Pandey

प्रो0 वन्दना पाण्डेय
प्रचार्य (संयोजक)
सर्वोदय पी0 जी0 कॉलेज
घोसी, मऊ

R.P. mishra

डॉ0 रामप्रताप मिश्र
असि0 प्रो0, संस्कृत विभाग
डी0 सी0 एस0 खण्डेलवाल
स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मऊनाथ भंजन, मऊ

मनोज कुमार द्विवेदी

डॉ0 मनोज द्विवेदी
असि0 प्रो0, संस्कृत विभाग
श्री शिवा डिग्री कॉलेज
तेरहीं, कप्तानगंज, आजमगढ़

Anurag Mishra

डॉ0 अनुराग मिश्र
असि0 प्रो0,संस्कृत विभाग
गांधी शताब्दी स्मारक स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, कोयलसा, आजमगढ़

डॉ0 वन्दना द्विवेदी
एसो0 प्रो0,संस्कृत विभाग
नवयुग कन्या महाविद्यालय, लखनऊ

डॉ0 शरदिन्दु तिवारी
एसो0 प्रो0
कला संकाय, संस्कृत विभाग
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़ हेतु
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में जारी दिशा–निर्देशों के अनुरूप
(प्री–पी0 एच0–डी0 कोर्स वर्क) पाठ्यक्रम
विषय– संस्कृत
सत्र– 2022–2023 से लागू

निर्देश–

- इस पाठ्यक्रम में कुल तीन प्रश्नपत्र होंगे, जिसमें से दो प्रश्नपत्र सम्बन्धित मुख्य विषय से होगा तथा एक प्रश्नपत्र शोध–प्रविधि का होगा।
- मुख्य विषय से सम्बन्धित दोनों प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम के लिए 6, 6 क्रेडिट का निर्धारण किया गया है तथा शोध–प्रविधि वाले अन्य प्रश्नपत्र के लिए 4 क्रेडिट का निर्धारण किया गया है।
- 16 क्रेडिट के कुल तीन प्रश्नपत्र होंगे। संस्कृत विषय में शोध हेतु पंजीकृत अभ्यर्थियों को उन तीनों प्रश्नपत्रों को न्यूनतम 55 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।
- तीनों प्रश्नपत्रों के मूल्यांकन हेतु 25 अंकों की आन्तरिक परीक्षा व 75 अंको की लिखित परीक्षा आयोजित की जायेगी।
- उपर्युक्त तीनों प्रश्नपत्रों के अतिरिक्त एक शोध–परियोजना भी अभ्यर्थियों को प्रस्तुत करनी होगी, जो उनके शोध हेतु प्रस्तावित विषयक्षेत्र से ही सम्बन्धित होगी। जिसके लिए अभ्यर्थियों को स्वतन्त्रता होगी कि, वह अपने शोधविषय से सम्बन्धित किसी एक अंश पर परियोजना प्रस्तुत करें।
- शोध–परियोजना के मूल्यांकन हेतु 25 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन व 50 अंको में उनकी परियोजना व प्रस्तुतिकरण तथा 25 अंक उनके साक्षात्कार के लिए निर्धारित किये गये हैं।
- (प्री–पी०एच०–डी० कोर्स वर्क) के शोधार्थी की ग्रेडशीट पर शोध–परियोजना के प्राप्तांकों पर आधारित ग्रेड तो अंकित होंगे, परन्तु उन्हें (सी0जी0पी0ए0) की गणना में सम्मिलित नहीं किया जायेगा।
- (प्री–पी०एच०–डी० कोर्स वर्क) में 16 क्रेडिट अर्जित करने वाले अभ्यर्थी ही उस मुख्य विषय में प्राप्त होने वाले प्रमाणपत्र (Post Graduate Diploma in Research- (PGDR) के लिए अर्ह होंगे।
- (प्री–पी०एच०–डी० कोर्स वर्क) उत्तीर्ण करने के पश्चात् ही शोधार्थी को (पी0एच0–डी0) कार्यक्रम में शोध के लिए पंजीकृत किया जायेगा।

V. Pans R.P. mishra Anmay Mishra मनोज कुमार द्विवेदी

V. Pans

(प्री–पी0 एच0–डी0 कोर्स वर्क) पाठ्यक्रम
विषय– संस्कृत
सेमेस्टर– 11
प्रश्नपत्र विवरण

प्रश्नपत्र/ कोर्स	प्रश्नपत्र/ कोर्स कोड	प्रश्नपत्र का शीर्षक	लिखित/ प्रायोगिक	कालांश/ व्याख्यान	पूर्णांक आन्तरिक/लिखित	क्रेडिट
प्रथम	A02111T	**संस्कृत साहित्य परम्परा**	लिखित	90	25+75=100	6
द्वितीय	A02112T	**साहित्य शास्त्रीय सिद्धान्त**	लिखित	90	25+75=100	6
तृतीय	A02113T	**शोध प्रविधि एवं कम्प्यूटर**	लिखित	60	25+75=100	4
चतुर्थ	A02114R	**शोध परियोजना**	प्रायोगिक	–	25+50+25=100 आन्तरिक, परियोजना व प्रस्तुतीकरण, साक्षात्कार	–

प्रश्नपत्र के प्रश्नों एवं मूल्यांकन का स्वरूप इस प्रकार होगा

समय : 03 घण्टा

प्रश्न के प्रकार	प्रश्नों की कुल संख्या	प्रश्नों की अनिवार्यता	अधिकतम अंक 75 प्रश्न×अंक
अति लघूत्तरीय प्रश्न (50 शब्दों में)	10	10	10×2=20
लघूत्तरीय प्रश्न (200 शब्दों में)	8	5	5×7=35
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (500 शब्दों में)	4	2	2×10=20

R.P. mishra Anurag Mishra मनोज कुमार द्विवेदी

Programme/Class: **Diploma** कार्यक्रम / वर्ग–**डिप्लोमा** **Post Graduate Diploma in Research (PGDR)**	Year– **Six** वर्ष– **षष्ठम्**	Semester- **XI** सेमेस्टर– **ग्यारह**

विषय– संस्कृत

प्रश्न पत्र कोड– **A02111T**	प्रश्न पत्र शीर्षक– **प्रथम प्रश्नपत्र (संस्कृत साहित्य परम्परा)**

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**

- शोधार्थी संस्कृत वाङ्मय की सुदीर्घ परम्परा से परिचित हो सकेंगे। वैदिक संस्कृत साहित्य के सन्दर्भ में सूक्ष्मदृष्टि विकसित होगी। शोधार्थी उनके स्वरूप को समझ पायेंगे तथा वैदिक साहित्य में शोध की सम्भावनाओं से उनका परिचय होगा।
- भारतीय दार्शनिक परम्परा को देखने तथा उनके स्वरूप को समझने की दृष्टि विकसित होगी। छः आस्तिक तथा तीन नास्तिक दर्शनों के विचारों एवं भावों से उनका परिचय होगा। उनमें क्या शोध संभावनाएँ है? इस दृष्टि से विचार करने व समझने की दृष्टि विकसित होगी।
- संस्कृत व्याकरणशास्त्र परम्परा से शोधार्थियों का परिचय होगा। व्याकरण के क्षेत्र में कार्य किये हुए विद्वानों के अवदान को देखकर उनमें एक शोधप्रवृत्ति विकसित होगी। जिससे वे व्याकरण के क्षेत्र में भी शोध संभावनाओं को देख पायेंगे।
- लौकिक संस्कृत साहित्य परम्परा से शोधार्थियों का परिचय होगा। संस्कृत साहित्य के इतिहास को पढ़कर उसके स्वरूप को समझने व वैश्विक परिदृश्य के साथ–साथ पुनः इतिहास लेखन की संभावनाओं से परिचित होंगे।
- कौटिल्य अर्थशास्त्र व स्मृतियों के अध्ययन के द्वारा तात्कालिक भारत के स्वरूप को देखने व समझने की दृष्टि विकसित होगी। साथ ही परवर्ती कालखण्डों में रामायण व महाभारत जैसे आर्ष–ग्रन्थों पर हुए शोधकार्यों को देखकर उसकी परम्परा व लोक मानस में उसकी जीवन्तता तथा सामाजिक सारोकार आदि विविध–विषयक शोधपरक दृष्टि का, उनमें विकास होगा।

Credits: **6**	**Core Compulsory**
Max. Marks: **25 + 75**	Min. Passing Marks: **55**

Total No. of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week): L-T-P: **6-0-0.** **(90 hrs)**

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या

N-Sau

i	वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, वेदाङ्ग वैदिक भाष्यकारों के अवदान	15
ii	भारतीय दार्शनिक परम्परा का सामान्य परिचय सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा, वेदान्त बौद्ध, जैन, चार्वाक दर्शन का संक्षिप्त ज्ञान	15
iii	संस्कृत व्याकरण परम्परा का सामान्य परिचय पाणिनि, पतंजलि, कात्यायन, भट्टोजिदीक्षित के अवदान	15
iv	लौकिक संस्कृत साहित्य की शास्त्रीय परम्परा का सामान्य ज्ञान संस्कृत साहित्य के प्रमुख इतिहास–ग्रन्थ	15
v	कौटिल्य अर्थशास्त्र, मनुस्मृति, याज्ञवल्क्यस्मृति रामायण एवं महाभारत का सामान्य परिचय	12
vi	वैदिक साहित्य में हुए महत्त्वपूर्ण शोधकार्यों का सर्वेक्षण दर्शन के प्रमुख ग्रन्थों पर हुए शोधकार्यों का सर्वेक्षण व्याकरणशास्त्र में हुए शोधकार्यो का सर्वेक्षण प्रमुख काव्यशास्त्रीय ग्रन्थों व सिद्धान्तों पर हुए शोधकार्यों का सर्वेक्षण रामायण, महाभारत एवं पुराणों पर हुए शोधकार्यों का सर्वेक्षण संस्कृत–साहित्य में हो रहे आधुनिक शोधकार्यों का अवलोकन	18

संस्तुत ग्रंथ–

- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, वाचस्पति गैरोला, चौखम्भा विद्याभवन प्रकाशन वाराणसी 2003।
- वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ0 कर्ण सिंह, साहित्य भंडार मेरठ।
- वैदिक साहित्य की रूपरेखा, प्रो0 राममूर्ति शर्मा, चौखम्भा प्रकाशन वाराणसी।

- वैदिक साहित्य और संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा संस्थान 37 बी रविन्द्रपुरी दुर्गाकुण्ड वाराणसी 2010।
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, पद्मश्री डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी 2010।
- भारतीय दर्शन, चटर्जी एवं दत्ता, पुस्तक भण्डार पब्लिशिंग हाउस पटना 1994।
- भारतीय दर्शन की भूमिका, रामानन्द तिवारी, भारती मंदिर, भरतपुर राजस्थान 1958।
- भारतीय दर्शन, आलोचन और अनुशीलन, चंद्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली।
- भारतीय दर्शन का इतिहास (1–5 भाग), एस0 एन0 दासगुप्ता, अनुवादक– कलानाथ शास्त्री एवं सुधीर कुमार, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी जयपुर 1969।
- भारतीय दर्शन, एस0 राधाकृष्णन, अनुवादक– नंदकिशोर गोभिल, राजपाल एंडसंस, दिल्ली।
- भारतीय दर्शन की रूपरेखा, एम0 हिरियन्ना, अनुवादक– गोवर्धनभट्ट, मंजूगुप्त एवं सुखबीर चौधरी, राजकमल प्रकाशन दिल्ली 1965।
- भारतीय धर्म एवं दर्शन, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा प्रकाशन, वाराणसी।
- व्याकरणशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास, श्री रमाकान्त मिश्र, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी।
- संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास (भाग 1–3), सम्पादक, पं0 युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ़ जिला सोनीपत, हरियाणा।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ0 ए0 वी0 कीथ, अनुवादक– डॉ0 मंगलदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी 2016।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्भा विद्याभवन वाराणसी 2003।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन 5बी कस्तूरबा नगर सिगरा वाराणसी 2001।
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, सेठ कन्हैयालाल पोद्दार, नागरी प्रचारिणी सभा काशी 2013।
- संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, डॉ0 राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी 2013।
- संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास, महामहोपाध्याय पी0 बी0 काणे, अनुवादक– डॉ0 इन्द्रचन्द्र शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी 2015।
- संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास, डॉ0 सुशील कुमार डे, अनुवादक– श्री मायाराम शर्मा, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी पटना 1988।
- संस्कृत का अर्वाचीन समीक्षात्मक काव्यशास्त्र, महामहोपाध्याय प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी 2010।
- संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास (1–4 खण्ड), राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन दिल्ली 2021।

N-[signature]

- संस्कृत बाङ्मय का बृहद इतिहास (1–18 खण्ड), सम्पादक– आचार्य बलदेव उपाध्याय व अन्य, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ।
- धर्मशास्त्र का इतिहास, डॉ0 पी0 वी0 काणे, उ0 प्र0 हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
- कौटिल्य अर्थशास्त्र, डॉ0 वाचस्पति गैरोला, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी।
- मनुस्मृति, श्री गिरिधर गोपाल शर्मा, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली।
- मनुस्मृति, पं0 गिरिजा प्रसाद द्विवेदी, नवलकिशोर प्रेस, लखनऊ।
- याज्ञवल्क्य स्मृति, डॉ0 उमेशचन्द्र पाण्डेय, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी।
- याज्ञवल्क्य स्मृति, डॉ0 गंगासागर राय, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी।

This Couse can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन–

लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय) 25 अंक

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

Suggested equivalent online courses:

....

Further Suggestions:

....

R.P. mishra   Anurag Mishra   मनोज कुमार द्विवेदी

Programme/Class: **Diploma** कार्यक्रम / वर्ग–**डिप्लोमा** **Post Graduate Diploma in Research (PGDR)**	Year– **Six** वर्ष– **षष्ठम्**	Semester- **XI** सेमेस्टर– **ग्यारह**

विषय– संस्कृत

प्रश्न पत्र कोड– **A02112T**	प्रश्न पत्र शीर्षक– **द्वितीय प्रश्नपत्र (साहित्य शास्त्रीय सिद्धान्त)**

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**

- शोधार्थी वैदिक साहित्य में निबद्ध सिद्धान्तों से परिचित होंगे। उनमें वैदिक–छंदों की समझ, उनका सस्वर पाठ करने की क्षमता विकसित होगी।
- भारतीय दर्शन में उपलब्ध विविध मन्तव्यों, विचारों व सम्प्रदायों से उनका परिचय कराया जायेगा, जिनमें शोध की अनन्त संभावनाएँ हैं।
- शोधार्थियों में व्याकरणशास्त्र व भाषाविज्ञान के सैद्धान्तिक पक्षों पर शोधपरक दृष्टि से विचार करने की क्षमता विकसित होगी।
- काव्यशास्त्रीय सिद्धान्त पक्ष पर विचार करते हुए उनके वादों, मन्तव्यों व विचारों में शोधपरक दृष्टि विकसित की जायेगी।
- शोधार्थियों में भारतीय संस्कृति के विविध आयामों पर विचार करते हुए, उनमें शोध की संभावनाओं को तलाशने की सूक्ष्मदृष्टि विकसित की जायेगी।

Credits: **6**	**Core Compulsory**
Max. Marks: **25 + 75**	Min. Passing Marks: **55**

Total No. of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week): L-T-P: **6-0-0.** **(90 hrs)**

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
i	षड् भाव–विकार, निर्वचन के तीनों सिद्धान्त वैदिक–छंद, वैदिक–स्वर, वेदमन्त्र पाठ	15

ii	दार्शनिक–मत द्वैत, अद्वैत, द्वैताद्वैत, शुद्धाद्वैत, विशिष्टाद्वैत दार्शनिक–सम्प्रदाय ब्रह्म, सनक, रुद्र, वैष्णव सत्कार्यवाद, योग का स्वरूप, प्रत्यक्ष प्रमाण, द्रव्य परिचय, अनुबन्ध–चतुष्टय, धर्म–लक्षण	15
iii	व्याकरण अध्ययन के मुख्य प्रयोजन, स्फोटवाद, भाषोत्पत्ति के सिद्धान्त, ध्वनिपरिवर्तन के कारण व दिशाएँ, ग्रिम, ग्रासमान, वर्नर नियम पाणिनीय व्याकरण की प्रमुख संज्ञाएँ	15
iv	काव्यलक्षण, प्रयोजन, हेतु, शब्दशक्ति, संकेतग्रह रस, अलंकार, ध्वनि, गुण, वक्रोक्ति व औचित्य का स्वरूप व लक्षण उत्पत्तिवाद, अनुमितिवाद, भुक्तिवाद, अभिव्यक्तिवाद	18
v	वर्ण–व्यवस्था, आश्रम–व्यवस्था, षोडश–संस्कार	12
vi	कौटिल्य अर्थशास्त्र के आधार पर राजा की सप्त प्रकृतियाँ, राजा के छः गुण विवाह एवं स्त्रीधन, दुर्गनिर्माण	15

संस्तुत ग्रंथ–

- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, पद्मश्री डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी 2010।
- निरुक्त–मीमांसा, पं0 शिवनारायण शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन दिल्ली।
- निरुक्त, डॉ0 उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी।
- षड्दर्शन समुच्चय, श्री हरिभद्र सूरी, प्रवचन प्रकाशन पूना 2002।
- षड्दर्शन समुच्चय, श्री हरिभद्र सूरी, सम्पादक– डॉ० महेन्द्र कुमार जैन, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन दिल्ली।
- सांख्यकारिका, व्याख्याकार, पं0 ढुण्डिराजशस्त्री, चौखम्भा संस्कृत सीरीज आफिस,

N. Pam

विवरण

आज दिनांक १२.०२.२०२४ सायं ०७ बजे गूगलमीट के माध्यम से, महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़ के, संस्कृत अध्ययन परिषद् की बैठक, (प्री-पी०एच०-डी० कोर्स वर्क, संस्कृत पाठ्यक्रम) को लेकर सम्पन्न हुई, जिसमें संस्कृत अध्ययन परिषद् के, बाह्य विषय-विशेषज्ञ सहित परिषद् के संयोजक एवं सभी सदस्यों ने प्रतिभाग किया।

इस बैठक में निम्न बिन्दुओं पर विचार किया गया-

- नई शिक्षा नीति २०२० के अनुरूप (प्री-पी०एच०-डी० कोर्स वर्क) संस्कृत-पाठ्यक्रम पर चर्चा की गयी तथा तैयार पाठ्यक्रम को विश्वविद्यालय द्वारा लागू करने हेतु, सर्व सम्मति से संस्तुति प्रदान की गयी।
- आनलाइन इस मीटिंग का आयोजन गूगलमीट पोर्टल पर, अध्ययन परिषद् के सदस्य डॉ० रामप्रताप मिश्र (असिस्टेण्ट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, डी० सी० एस० खण्डेलवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय मऊनाथ भंजन, मऊ द्वारा किया गया।

गूगलमीट लिंक्- https://meet.google.com/rbf-dzwv-cgz

N. Pandey

प्रो० वन्दना पाण्डेय
संयोजक
संस्कृत अध्यन परिषद
महाराजा सुहेलदेव राज्य वि०वि०
आजमगढ़

बैठक के छायाचित्र

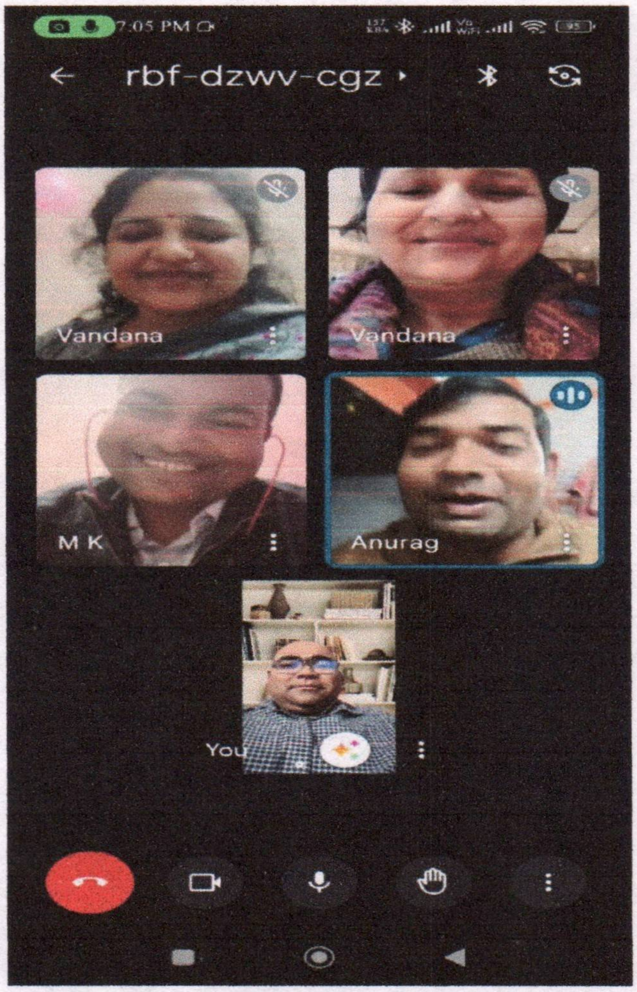

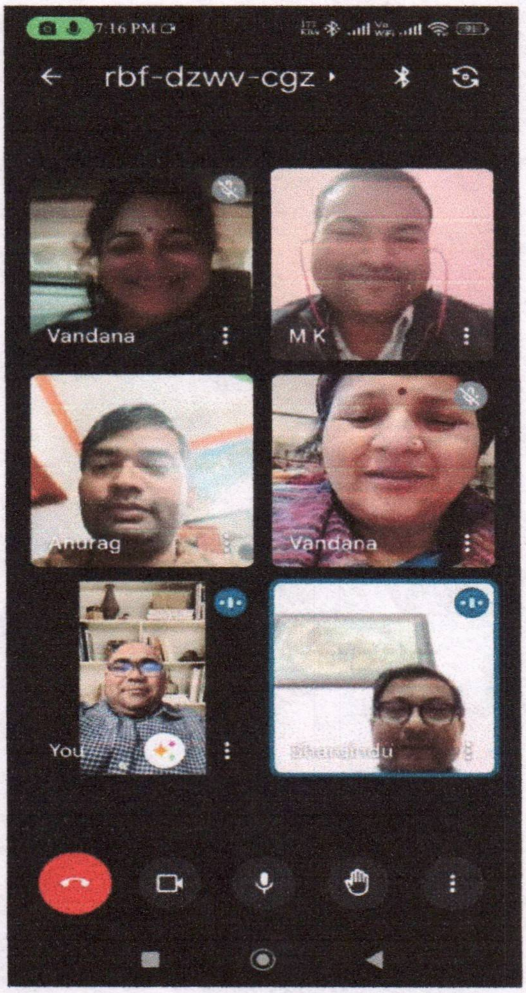

R.P. mishra   Anurag Mishra   मनोज कुमार द्विवेदी

प्रो० वन्दना पाण्डेय
संयोजक
संस्कृत अध्ययन परिषद
महाराजा सुहेलदेव राज्य वि०वि०
आजमगढ़

R.P. mishra

हस्ताक्षर गूगलमीट संयोजक
(सदस्य) संस्कृत अध्ययन परिषद
महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

वाराणसी।

- सांख्यकारिका, डॉ0 गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
- सांख्यतत्वकौमुदी, व्याख्याकार, प्रो0 आद्याप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद।
- सांख्यतत्वकौमुदी, व्याख्याकार, पं0 श्री ज्वालाप्रसाद गौड़, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
- योगसूत्र, ब्रह्मलीन मुनि, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी।
- पातंजलयोगसूत्रवृत्ति, डॉ0 विमला कर्नाटक, चौखम्भा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
- पातंजल योगदर्शन, गीताप्रेस, गोरखपुर।
- न्याय सिद्धान्तमुक्तावली, प्रत्यक्षखण्ड, व्याख्याकार, डॉ0 गजाननशास्त्री मुसलगॉवकर, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
- तर्कभाषा, डॉ0 गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।
- तर्कभाषा, डॉ0 आद्या प्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन इलाहाबाद।
- तर्कभाषा, श्री वदरीनाथ शुक्ल, मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी।
- तर्कसंग्रह, व्याख्याकार– केदारनाथ त्रिपाठी, चौखम्भा प्रकाशन वाराणसी।
- तर्कसंग्रह, व्याख्याकार– डॉ0 नर्वदेश्वर तिवारी, भारतीय विद्या प्रकाशन वाराणसी 2002।
- वेदान्तपरिभाषा, व्याख्याकार, प्रो0 पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी।
- वेदान्तपरिभाषा, व्याख्याकार, श्री गजाननशास्त्री मुसलगॉवकर, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी।
- वेदान्तसार, व्याख्याकार– डॉ0 आद्या प्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन इलाहाबाद।
- वेदान्तसार, व्याख्याकार– डॉ0 गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्भा कृष्णदास अकादमी वाराणसी।
- अर्थसंग्रह, व्याख्याकार– डॉ0 दयाशंकर शास्त्री, विद्याभवन संस्कृत ग्रन्थमाला काशी।
- अर्थसंग्रह, व्याख्याकार– त्यागमूर्ति श्री टाटाम्बरिस्वामी, चौखम्भा संस्कृत सीरीज आफिस वाराणसी।
- अर्थसंग्रह, सम्पादन, पं0 शोभितमिश्र, चौखम्भा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी।
- अर्थसंग्रह, सम्पादन, नारायणराम आचार्य काव्यतीर्थ एवं सत्यभामा बाई पाण्डुरंग, निर्णयसागर प्रेस मुम्बई।
- व्याकरण महाभाष्य, डॉ0 जयशंकरलाल त्रिपाठी, चौखम्भा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
- महाभाष्य, व्याख्याकार, चारूदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।

- पाणिनीय व्याकरण का अनुशीलन, डॉ0 रमाशंकर भट्टाचार्य, इण्डोलाजिकल बुक हाउस, वाराणसी।
- महाभाष्य, व्याख्याकार, पं0 युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट बहालगढ़, जिला सोनीपत, हरियाणा।
- संस्कृत व्याकरण का उद्भव और विकास, सत्यकाम वर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, भैमीव्याख्या, आचार्य भीमसेन शास्त्री, प्रकाशक– भीमसेन शास्त्री प्रभाकर गांधीनगर, दिल्ली।
- भाषा–विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी 2010।
- भाषा–विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्राइवेट लिमिटेड इलाहाबाद।
- संस्कृत का भाषा शास्त्रीय अध्ययन, डॉ0 भोलाशंकर व्यास, अयोध्याप्रसाद गोयलीय मंत्री भारतीय ज्ञान पीठ, दुर्गाकुण्ड रोड वाराणसी 1957।
- काव्य प्रकाश, आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, विक्रमभवन वी30/5 ए लंका, वाराणसी।
- काव्य प्रकाश, डॉ0 सत्यव्रत सिंह, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी।
- काव्य प्रकाश, डॉ0 पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
- काव्य प्रकाश, वामन झलकीकर, परिमल पब्लिकेशन, प्राइवेट लिमिटेड।
- ध्वन्यालोक, आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, विक्रम भवन वी30/5 ए लंका, वाराणसी।
- ध्वन्यालोक, शिवप्रसाद द्विवेदी (श्रीधराचार्य), चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
- ध्वन्यालोक, पं0 रामसागर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
- ध्वन्यालोक, पं0 जगन्नाथ पाठक, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी।
- साहित्यदर्पण, (विमलाख्यया हिन्दीव्याख्यया विभूषित), सम्पादक, विद्यावाचस्पति–साहित्याचार्य– शालिग्राम शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
- साहित्यदर्पण, व्याख्याकार, आचार्य शेषराजशर्मा रेग्मी, चौखम्भा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
- साहित्यदर्पण, व्याख्याकार, आचार्य कृष्णमोहन शास्त्री, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
- वक्रोक्तिजीवितम्, व्याख्याकार– श्री राधेश्याम मिश्र, चौखम्भा संस्कृत संस्थान वाराणसी।
- औचित्यविचारचर्चा, व्याख्याकार– आचार्य श्री व्रजमोहन झा, चौखम्भा विद्याभवन वाराणसी।

- भारत का सांस्कृतिक इतिहास, हरिदत्त वेदालंकार, आत्माराम एण्डसन्स कश्मीरी गेट नई दिल्ली।
- भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्व, डॉ० श्रीकृष्ण ओझा, आदर्श प्रकाशन जयपुर।
- कौटलीय अर्थशास्त्र, हिन्दी अनुवाद सहित, अनुवादक– विद्याभास्कर वेदरत्न प्रो० उदयवीर शास्त्री, मेहरचन्द्र लक्ष्मणदास संस्कृत पुस्तकालय लाहौर।
- कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम्, व्याख्याकार– वाचस्पति गैरोला, चौखम्भा विद्याभवन वाराणसी।

This Couse can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन–

लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय) 25 अंक

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

Suggested equivalent online courses:

....

Further Suggestions:

....

R.P. mishra Anurag Mishra मनोज कुमार द्विवेदी

Programme/Class: **Diploma** कार्यक्रम / वर्ग–**डिप्लोमा** **Post Graduate Diploma in Research (PGDR)**	Year– **Six** वर्ष– **षष्ठम्**	Semester- **XI** सेमेस्टर– **ग्यारह**
विषय– संस्कृत		
प्रश्न पत्र कोड– **A02113T**	प्रश्न पत्र शीर्षक– **तृतीय प्रश्नपत्र (शोध–प्रविधि एवं कम्प्यूटर)**	

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**

- इस पाठ्यक्रम की सहायता से शोध में प्रवेश लेने वाले छात्र अपने विषयगत शोध से सम्बन्धित साधारण समझ विकसित करने में सक्षम होंगे।
- शोधार्थियों में उनके शोध के विषय–क्षेत्र से सम्बन्धित शोध–प्रारूप, शोध–सामग्री संकलन, उनका वर्गीकरण व उनका प्रस्तुतीकरण कैसे करना है? साहित्यिक चोरी से कैसे बचा जा सकता है? इसकी सूक्ष्मदृष्टि विकसित होगी।
- विविध प्रकार की शोधकार्यों में प्रयोग में लायी जाने वाली शोध–प्रविधियों से उनका परिचय होगा तथा उन्हें उनके स्वयं के शोध हेतु, किन–किन प्रविधियों को प्रयोग में लाना है। इसकी समझ विकसित होगी।
- शोधार्थियों में शोध–प्रबन्ध को लिखने में प्रयोग में लायी जाने वाली विविध शब्दावलियों, तकनीकों की साधारण समझ विकसित होगी।
- पाठ–लेखन, अनुच्छेद–लेखन, भूमिका–लेखन, उपसंहार–लेखन, प्रूफ संशोधन तथा उससे सम्बन्धित संकेत–चिन्हों का ज्ञान प्राप्त कर अपने शोध–प्रबन्ध को मूर्तरूप देने मे सक्षम होंगे।

Credits: **4**	**Core Compulsory**
Max. Marks: **25 + 75**	Min. Passing Marks: **55**

Total No. of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week): L-T-P: **6-0-0.** **(60 hrs)**

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या

i	शोध की परिभाषा, उद्देश्य एवं महत्त्व, अवधारणाएँ, शोध के विविध सोपान, शोध–प्रक्रिया शोध की रूपरेखा, शोध के विविध प्रकार, विविध शोध–पद्धतियाँ	10
ii	विषय–निर्वाचन पद्धति निर्वाचित विषय में किये गये शोधकार्यों का सर्वेक्षण आलोचना एवं समीक्षा, शोध के प्राथमिक, द्वितीयक एवं ई–स्रोतों की पहचान, साहित्यिक चोरी, शोध–सामग्री संकलन, संकलन की पद्धति, शोध–सामग्रियों का वर्गीकरण एवं प्रस्तुतीकरण	10
iii	पाद–टिप्पणी, संकेताक्षर–सूची, सन्दर्भग्रन्थ–सूची, अन्तर्जाल–सूची, संन्दर्भसूची निर्माण प्रक्रिया परिशिष्ट एवं अनुक्रमणिकाएँ, विषयसूची, भूमिका–लेखन, उपसंहार–लेखन	10
iv	शोध–प्रबन्ध की रूपरेखा, विन्यास–विधि, शोध के घटक साहित्य के क्षेत्र में प्रयोग में लायी जाने वाली शोध–प्रविधियाँ प्रूफ–रीडिंग, डायक्रीटिकल–मार्क्स प्रूफ–रीडिंग के संकेत–चिन्ह	10
v	शोध विषयक सन्दर्भ ग्रन्थ, कोशग्रन्थ, विश्वकोश, हस्तलेख, हस्तलिखित ग्रन्थों में भ्रष्टता के कारण, पाठ–निर्धारण पाठालोचन के सिद्धान्त, हस्तलिखित ग्रन्थों के सम्पादन की पद्धति	10
vi	शोध से सम्बद्ध संगणकीय उपकरणों का परिचय, सम्बन्धित टाइपिंग टूल्स, साफ्टवेयर एवं उनका उपयोग, बेव खोज तकनीक एवं मुख्य सर्च इंजनं, गूगल स्कालर, शोधगंगा, डीजिटल लाइब्रेरी ऑफ इण्डिया, आर्काइव	10

N. Kumar

संस्तुत ग्रन्थ–

- अनुसन्धानस्य प्रविधि–प्रक्रिया, नगेन्द्र, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थानम् नवदेहली 2010।
- शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान, प्रो० अभिराज राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद 2008।
- अनुसन्धान का विवेचन, डॉ० उदयभान सिंह, वागीश्वरी प्रकाशन जगदीशपुर, जौनपुर, प्र0 सं0 1962।
- पाण्डुलिपि विज्ञान, डॉ० सत्येन्द्र, राजस्थान हिन्दीग्रन्थ अकादमी जयपुर, प्र0 सं0 1978।
- शोधप्रविधि, डॉ० विनयमोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली, प्र0 सं0 1973।
- कम्प्यूटर एक परिचय, गौरव अग्रवाल, शिवा प्रकाशन इन्दौर।
- कम्प्यूटर फण्डामेण्टल, पी0 के0 सिन्हा, पी0 पी0 बी0 पब्लीकेशन नई दिल्ली।
- कुछ महत्त्वपूर्ण लिंक–
- https://ncert.nic.in/textbook/pdf/khct102.pdf
- https://shodhganga.inflibnet.ac.in/
- https://en.wikipedia.org/wiki/List_of_style_guides
- https://ndl.iitkgp.ac.in/
- https://www.google.com/inputtools/try/
- https://www.easyhindityping.com/
- https://www.quillpad.in/editor.html#.VSYddvmUdkA
- https://hindi.changathi.com/
- https://www.hindietools.com/
- https://www.google.com/inputtools/services/features/input-method.html
- https://www.google.com/inputtools/services/features/input-method.html
- https://baraha.com/main.php
-

This Couse can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन–

N-Sams

लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय)	25 अंक
Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)	
Suggested equivalent online courses:	
Further Suggestions:	

V. Pandey R.P. mishra Anurag Mishra मनोज कुमार त्रिवेदी

V. Pandey

महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ़।

पी.एच.डी. (कार्यक्रम) संस्कृत पाठ्यक्रम कार्य

पेपर प्रथम　　　　सत्र 2022–23　　　　पूर्णांक अंकः–100

1. संस्कृत शोध–प्रविधि (Research Methodalogy)

(A) पाठ्यक्रम का उद्देश्य
(Course Objective):-

- शोधार्थी को प्राचीन एवं आधुनिक शोध प्रविधि से परिचित कराना।
- शोधार्थी को शोध के विविध आयाम से अवगत कराना।

(B) पाठ्यक्रम के परिणाम (Course Outcomes):–

- शोधार्थी को संस्कृत **वङ्ग्मय** की विभिन्न शाखाओं में शोध हेतु निपुण बनाना।
- शोधार्थी को शोध, अनुसंधान की नैतिकता के प्रति जागरूक करना।

(C) अंतर्वस्तु (Contents):–

ईकाई–I　　　　25

शोध का सामान्य अर्थ, शोध का उद्देश्य (प्रयोजन) शोध की उपयोगिता, शोध प्रविधि के प्रकार, पद्धितियाँ, शोध और समीक्षा,

ईकाई–II　　　　25

अनुसंधान के उपकरण–शब्द कोष, विश्वकोष, ग्रन्थ सूची, अनुक्रमणिका, सूची, पांडुलिपियाँ, पत्रिकांए, सर्वेक्षण, संस्करण, शिलालेख, अनुवाद।

ईकाई–III　　　　20

शोध–प्रक्रिया, शोधविषय का चयन, शोध की विभिन्न विधियां, शोध प्रारूप का निर्माण, सामग्री **संकलन** लेखक विधि, प्राक्कथन, उपसंहार, ग्रन्थ सूची, पाद टिप्पणी विधि, अनुक्रमाणिका।

सत्रीय कार्य/ शोध पत्र प्रस्तुति/लिखित अधिन्यास/सत्रीय परीक्षा–　　　　30

सहायक ग्रन्थ

1. केशव चन्द्र दास एलीमेन्ट ऑफ रिसर्च मैथोडोलाजी संस्कृत चौखम्मा संस्कृत संस्थान, वाराणसी,1992
2. लोकेश के प्रसाद, अनुसंधान पद्वति शास्त्र, कावेरीबुक्स, 2009
3. शोध प्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान–प्रो अमिराज राजेन्द्र मिश्र श्रीमती राजेश कुमारी मिश्र अक्षयवट प्रकाशन इलाहाबाद।

मूल्यांकन प्रक्रिया

1. लिखित पेपर–70 अंक
2. सत्रीय कार्य–30 अंक 100 अंक

महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ़।

पी.एच.डी. (कार्यक्रम) संस्कृत पाठ्यक्रम कार्य

पेपर–द्वितीय | सत्र 2022–23 | कुल अंकः–100

संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय एवं शोध का सर्वेक्षण

(A) पाठ्यक्रम का उददेश्य

Course Objective

- शोधार्थी को वैदिक, लौकिक एवं आधुनिक संस्कृत साहित्य से अवगत कराना।
- वैदिक लौकिक एवं आधुनिक संस्कृत शोध प्रविधि की विभिन्न शाखाओ से सम्बन्धित ज्ञान प्राप्त करना।
- वैदिक एवं लौकिक संस्कृत के आधुनिक विद्वानों के शोध निर्माण पद्वति का अवलोकन करना।

ईकाई–I 25

वैदिक संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय

- संहिता, ब्राह्मण, आराण्यक, अपनिषद, वेदाङ्ग एवं आधुनिक संस्कृत साहित्य

ईकाई–II 25

लौकिक संस्कृत साहित्य एवं का आधुनिक संस्कृत साहित्य

- रामायण, महाभारत, पुराण, हश्य काव्य, श्रव्यकाव्य गद्यकाव्य, चम्पू, काव्यशास्त्र, छंद शास्त्र, नाटक शास्त्र, संस्कृत व्याकरण, धर्मशास्त्र, भारतीय दर्शन
- आधुनिक संस्कृत साहित्यः प्रो अमिराज राजेन्द्र मिश्र, प्रो. हरिदत्त शर्मा, प्रो. रेखा प्रसाद द्विवेदी प्रो. राधा बल्लभ मिश्र, प्रो. परमानन्द शास्त्री, पंडिता समाराव।

ईकाई–III 20

वैदिक, लौकिक, आधुनिक संस्कृत के विद्वानों के शोध का सर्वेक्षण करना।

सत्रीय कार्य / शोध पत्र प्रस्तुति / लिखित अधिन्यास / सत्रीय परीक्षा– 30

सहायक ग्रन्थ

1. नरेश झा, चौखंबा प्रकाशन,
2. जयदेव वेदालंकार भारतीय विद्या प्रकाशन
3. हरिकृष्ण दास गोंयनका, गीता प्रेम, गोरखपुर
4. डा0 बलदेव उपाध्याय–वैदिक साहित्य और संस्कृत–शारदा संस्थान वाराणसी।

डा0 शाहीन जाफरी
अध्यक्षा संस्कृत विभाग, शिब्ली नेशनल पी0जी0 कालेज आजमगढ़।
संस्कृत विषय संयोजिका
महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़।